प्रेस विज्ञप्ति

श्री भोलेजी महाराज एवं माताश्री मंगला जी ने दैचोरी-देगांव (नैनीताल) में किया श्री हंसलोक आश्रम का लोकार्पण

कोटाबाग, नैनीताल (उत्तराखण्ड)। परमपूज्य श्री भोले जी महाराज तथा माताश्री मंगला जी ने 3 दिसम्बर, 2016 को अपराहन 1 बजे हजारों श्रद्धालु-भक्तों की मौजूदगी में नैनीताल जिले के कोटाबाग ब्लाक के अंतर्गत दैचोरी-देगांव में विधि-विधान के साथ नवनिर्मित श्री हंसलोक आश्रम का लोकार्पण किया। इस मौके पर हंस कल्चरल सेंटर द्वारा अपराहन 1 बजे से सायं 4 बजे तक विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया।

माताश्री मंगला जी ने समारोह में उपस्थित श्रद्धालु-भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान की असीम कृपा के बाद हमें यह मनुष्य शरीर मिला है। इस शरीर को हम व्यर्थ की बातों में नहीं गंवायें बल्कि भगवान के सच्चे नाम को जानकर उसकी साधना करें। इसके साथ ही हमें गरीब तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे समाज सेवा के कार्य भी करने चाहिएं। जो लोग भगवान को याद करते हैं, भगवान हमेशा उनकी मदद करता है। उन्होंने कहा कि आज समाज में नैतिक, चारित्रिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों का निरंतर ह्रास होता जा रहा है जिसके चलते समाज में कई तरह की बुराइयां बढ़ रही हैं। आज समाज को बदलने के लिए बाहरी चीजों को बदलने की आवश्यकता नहीं बल्कि मनुष्य के मन और विचारों को बदलना होगा और यह काम केवल अध्यात्म ज्ञान के प्रचार-प्रसार से सम्भव है। अध्यात्म ज्ञान को जानकर जब हम स्वयं बदलेंगे, तभी हमारा देश और समाज बदलेगा।

माताश्री मंगला जी ने समारोह में उपस्थित लोगों को परोपकार तथा समाज सेवा की शिक्षा देते हुए कहा कि जिन-जिन भक्तों ने नि:स्वार्थ भाव से संत-महापुरुषों की सेवा की, उनका नाम इतिहास में अमर हो गया। उन्होंने कहा कि गरीब तथा दीन-दुखियों की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है लेकिन यह सेवा बिना किसी भेदभाव के करनी चाहिए। उन्होंने सत्संग की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि सत्संग सुनने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और दुष्ट प्रवृत्ति वाला मनुष्य भी सच्चा भक्त और संत बन जाता है। सत्संग से मनुष्य का विवेक जाग्रत होता है तथा उसका मन पवित्र एवं निर्मल हो जाता है। भगवान की प्राप्ति के लिए जीवन में सत्संग का मिलना बहुत जरूरी है। श्री भोले जी महाराज तथा माताश्री मंगला जी के पहली बार कोटाबाग पहुंचने पर श्रद्धालु-भक्तों ने फूलों की बरसात कर जोरदार स्वागत किया।

श्री भोले जी महाराज एवं माताश्री मंगला जी के कालाढूंगी पहुंचने पर क्षेत्र के भक्तों ने कुमाऊंनी रीति-रिवाज तथा छोलिया नृत्य के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही गोस्वामी विद्या मंदिर, दून मार्डन एकेडमी, द स्कॉलर एकेडमी तथा जीएनजी के स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत गाये। गोस्वामी विद्या मंदिर में आयोजित स्वागत समारोह में माताश्री मंगला जी ने कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को मानवता तथा राष्ट्रीयता की शिक्षा भी दी जानी चाहिए।